



शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शखिर सम्मेलन 2022

प्रलिस के लयल:

शंघाई सहयोग संगठन (SCO), अफगानसलतान, रूस, लचीली आपूरत शंखला, बाजरे का अंतरराष्टरीय वर्ष, पारंपरकल दवाओं के लयल वैश्वकल केंद्र ।

मेन्स के लयल:

भारत और शंघाई सहयोग संगठन (SCO) ।

चरचा में क्योँ?

हाल ही में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शखिर सम्मेलन 2022 उज़बेकसलतान के समरकंद में आयोजतल कयल गयल ।

- समरकंद घोषणा पर सदस्य राज्यों द्वारा हस्ताक्षर कयल गए थे ।
- भारत ने वर्ष 2023 के लयल SCO की अध्यक्षता सँभाली ।

शखिर सम्मेलन की मुख्य वशेषताएँ:

- **समरकंद घोषणा** ने "बातचीत और परामर्श के माध्यम से देशों के बीच मतभेदों और ववलदों के शांतपूरण समाधान के लयल प्रतबलद्धता" की वकालत की ।
- संप्रभुता, स्वतंत्रता, राज्यों की कषेत्रीय अखंडता, समानता, पारस्परकल लाभ, आंतरकल मामलों में अहसतकषेप की बात की गई और इस बात पर ज़ोर दयल गयल कबल के उपयोग की धमकी के लयल पारस्परकल सम्मान के सदलधांत अंतरराष्टरीय संबंधों के सतत वकलस के आधार हैं ।
- सदस्य देश आतंकवादियों, अलगाववादी और चरमपंथी संगठनों की एक एककृत सूची बनाने के लयल सामान्य सदलधांतों तथा दृष्टकलणों को वकलसतल करने की योजना बना रहे हैं जनकी गतवलधियों SCO सदस्य राज्यों के कषेत्रों में प्रतबलद्धतल हैं ।
- रूस भी अपनी गैस के नरलयात के लयल अधिक ग्राहकों की तलाश कर रहा है क्योँकल पश्चमी देश इस पर अपनी नरलभरता कम करना चाहते हैं ।
- रूस ने सुझाव दयल कल संगठन को अपनी बड़ी एथलेटकल प्रतयलगतल आयोजतल करने के बारे में सोचना चाहयल ।
- **भारतीय परलरकष्य:**
 - **संपर्क:** भारत ने शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों से एक-दूसरे को पारगमन का पूरा अधिकार देने का आग्रह कयल, क्योँकल इससे संपर्क बढ़ेगा और कषेत्र में वशलवसनीय एवं लचीली आपूरत शंखला स्थापतल करने में मदद मललेगी ।
 - **खाद्य सुरक्षा:** पूरी दुनयल एक अभूतपूर्व ऊर्जा और खाद्य संकट का सामना कर रही है, भारत ने बाजरा को बढ़ावा देने तथा खाद्य सुरक्षा से संबंधतल मुद्दों को हल करने की पहल पर ज़ोर दयल ।
 - इस संदर्भ में भारत बाजरा को लोकपरयल बनाने की कोशशल कर रहा है, क्योँकल SCO 2023 को अंतरराष्टरीय बाजरा वर्ष के रूप में चहलनतल करने में बड़ी भूमकल नभल सकतल है ।
 - **पारंपरकल चकलतलसा पर कार्य समूह:** **वशलव स्वासथ्य संगठन (WHO)** ने अपरैल 2022 में **गुजरात में पारंपरकल चकलतलसा के लयल अपना वैश्वकल केंद्र खोलल** ।
 - WHO द्वारा स्थापतल पारंपरकल चकलतलसा के लयल यह पहला और एकमातर वशलवव्यापी केंद्र थल ।
 - **पर्यटन:** लोगों की समृद्ध सांस्कृतकल और ऐतहलसकल वशलसत तथा SCO सदस्य राज्यों की पर्यटन कषमता को बढ़ावा देने के लयल वाराणसी को 2022-2023 के लयल SCO पर्यटन और सांस्कृतकल राजधानी घोषतल कयल गयल थल ।
 - इसके अलावा यह भारत और SCO सदस्य देशों के बीच पर्यटन, सांस्कृतकल व मानवीय आदान-परदान को बढ़ावा देगा ।
 - यह SCO के सदस्य देशों, वशलष रूप से मध्य एशलयाई गणराज्यों के साथ भारत के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को भी रेखांकतल करता है ।
 - इस प्रमुख सांस्कृतकल आउटरीच कार्यक्रम के ढाँचे के तहत, 2022-23 के दौरान वाराणसी में कई कार्यक्रमों का आयोजन कयल जाएगा ।

शंघाई सहयोग संगठन (SCO):

■ परचियः

- यह एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है। इसे वर्ष 2001 में बनाया गया था।
- SCO चार्टर वर्ष 2002 में हस्ताक्षरित किया गया था और वर्ष 2003 में लागू हुआ।
- यह एक यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन है जिसका लक्ष्य इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा तथा स्थिरता बनाए रखना है।
- इसे **उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (NATO)** के प्रतिकार के रूप में देखा जाता है, यह नौ सदस्यीय आर्थिक और सुरक्षा ब्लॉक है तथा सबसे बड़े अंतर-क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों में से एक के रूप में उभरा है।

■ आधिकारिक भाषाएँ:

- रूसी और चीनी।

■ स्थायी निकायः

- बीजिंग में SCO सचिवालय।
- ताशकंद में **क्षेत्रीय आतंकवाद वरिधी संरचना (RATS)** की कार्यकारी समिति।

■ अध्यक्षता:

- अध्यक्षता एक वर्ष पश्चात् सदस्य देशों द्वारा रोटेशन के माध्यम से की जाती है।

■ उत्पत्ति:

- वर्ष 2001 में SCO के गठन से पहले, कज़ाखस्तान, चीन, करिगज़िस्तान, रूस और ताजकिस्तान शंघाई फाइव के सदस्य थे।
- शंघाई फाइव (1996) सीमाओं के सीमांकन और वसिन्धीकरण वार्त्ता की एक शृंखला से उभरा, जिसे चार पूर्व सोवियत गणराज्यों ने चीन के साथ सीमाओं पर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये आयोजित किया था।
- वर्ष 2001 में संगठन में उज़्बेकस्तान के शामिल होने के बाद शंघाई फाइव का नाम बदलकर SCO कर दिया गया।
- भारत और पाकस्तान 2017 में इसके सदस्य बने।
- वर्तमान सदस्य: कज़ाखस्तान, चीन, करिगज़िस्तान, रूस, ताजकिस्तान, उज़्बेकस्तान, भारत और पाकस्तान।
- ईरान 2023 में SCO का स्थायी सदस्य बनने के लिये तैयार है।
 - भारत को वर्ष 2005 में SCO में एक पर्यवेक्षक बनाया गया था और इसने आमतौर पर समूह की मंत्री स्तरीय बैठकों में भाग लिया है जो मुख्य रूप से यूरेशियन क्षेत्र में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर केंद्रित हैं।

स्रोतः इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernce URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/shanghai-cooperation-organisation-sco-summit-2022>

